भारत का अमृत महोत्सव

“स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात वनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में वानिकी की भूमिका ” विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

(दिनांक : 12.08.2021)

भारतीय आजादी को स्मरण करते हुए आजाद भारत के 75वीं वर्ष गांठ के अवसर पर सतत विकास की उपलब्धी को जन-जन तक पहुचाने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा आहूत तथा भारत सरकार एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के निर्देशानुसार वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा “भारत का अमृत महोत्सव” कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 12.08.2021 को आभासीय मंच से Dr. Satish Chandra, Principal Advisor, Centre for Social Sector Development, Atal Bihari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis, Bhopal, M.P. द्वारा “**स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात वनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में वानिकी की भूमिका**” विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे लगभग 46 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

निदेशक द्वारा कार्यक्रम की रुपरेखा एवं अतिथियों के स्वागत के पश्चात “आजादी के अमृत महोत्सव” के तहत “स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात वनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में वानिकी की भूमिका” कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। निदेशक ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधान में कहा कि आजादी की यादें और विकास के क्षेत्र में आजाद भारत की स्थितियो का आकलन करते हुए भविष्य की योजना से देशवासियों को अवगत कराने क अवसर भी प्राप्त कर रहें हैं। संस्थान का प्रयास है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में लोग लाभांवित हो एवं क्षेत्र की समस्या से अनुसंधानकर्मी आगे की योजना बनायेंगे। सामाजिक क्षेत्र के विकास के लिए प्रमुख सलाहकार केंद्र अटल बिहारी वाजपेयी, जबलपुर मध्यप्रदेश के डा. सतीश चंद्रा ने अकाष्ठ वनोत्पाद के माध्यम से ग्रामीण जीविकोपार्जन में सुधार पर विस्तार से व्याख्यान दिया। इन्होने लघु आकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि सरकार भी इस दिशा में काफी गम्भीर है एवं अनेक योजनाओं को क्रियांवित कर रही है। लघु वनोपज के प्रति लोगों को जागरुक किया जा सकता है। समाज के

लिए वानिकी की चर्चा करते हुए उन्होने कहा कि मध्य प्रदेश में लगभग 1500 योजनायें है। उन्होने कहा कि आदिवासी समाज को रेडियो से जोडा जाए तो बहुत बड़ा योगदान होगा तथा प्रत्येक वनोत्पाद को महत्व, बाजार,मूल्य,उपयोग आदि को डिजिटल माध्यम से प्रचारित प्रसारित किया जाना चाहिये। इन्होने Covid-19 की रोकथाम में वनोत्पाद के योगदान की भी चर्चा की तथा बताया कि यदि सारे वनोत्पाद का संग्रहण एवं मार्केटींग किया जाये तो इस व्यवसाय से जुडे 12 करोड आदिवासी समाज तथा 10 करोड लोगों का कल्याण हो सकता है। इन्होने कहा कि भारत के पूर्वी एवं मध्य क्षेत्रों के राज्यों में NTFP का अकूत भंडार है एवं आयूष सम्बंधी विकास में अपार सम्भावनायें हैं। संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के कई शंकाओं का उन्होने सरलता से समाधान किया। संस्थान के निदेशक ने वनोत्पाद की सम्भावनायें एवं उसके विस्तार में डा. चंद्रा को सहयोग की अपील की। उन्होने कहा कि इस क्षेत्र में आपके सहयोग से संस्थान बहुत आगे बढ सकता है।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर,वैज्ञानिक-सी द्वारा किया गया एवं संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) डा. योगेश्वर मिश्रा ने मुख्य अतिथि एवं अन्य को धन्यवाद किया तथा कार्यक्रम समापन की घोषणा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग, सूचना तकनीकी प्रभाग तथा सम्पदा प्रभाग का सराहनीय योगदान रहा।

आभासीय मंच द्वारा

भारत का अमृत महोत्सव 12.08.2021

विषय: "स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात वनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में वानिकी की भूमिका विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन"

Cisco Webex https://directorifpranchi.my.webex.com/directorifpranchi.my/j.php?MTID=md2bc959203f781c6a2a3f860fe5356a9

समय	कार्यक्रम	प्रस्तुतकर्ता
10.00 -10.10 AM	कार्यक्रम संचालन	श्रीमती आर.एस.कुजुर,वैज्ञानिक- सी व.उ.स.,रांची
10.10 –10:35AM	कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय	डा. नितिन कुलकर्णी, निदेशक व.उ.स.,रांची
10.35– 10.50AM	कार्यक्रम का उद्घाटन	Shri Arun Singh Rawat DG ICFRE, Dehradun
10.50-11.50AM	"स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात वनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में वानिकी की भूमिका विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन"	Dr. Satish Chandra, Principal Advisor Centre for Social Sector Development, Atal Bihari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis, Bhopal, M.P
11.50 -12.00 PM	चर्चा	
12.00 -12.05 PM	धन्यवाद ज्ञापन	डा. योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक-जी स.स.अ.,व.उ.स.,रांची

वन उत्पादकता संस्थान,रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
(वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)
एन,एच.-23, गुमला रोड, लालगुटवा, रांची- 835303 (झारखण्ड)

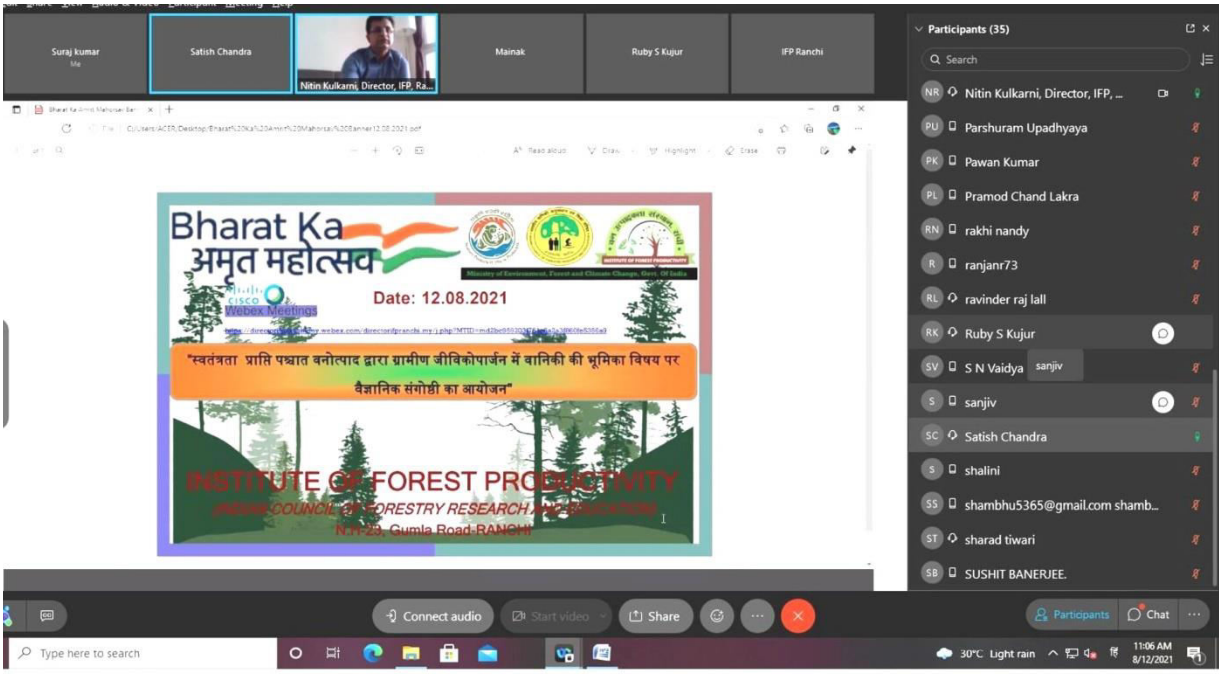

संस्थान के निदेशक द्वारा अमृत महोत्सव कार्यक्रम पर सम्बोधन

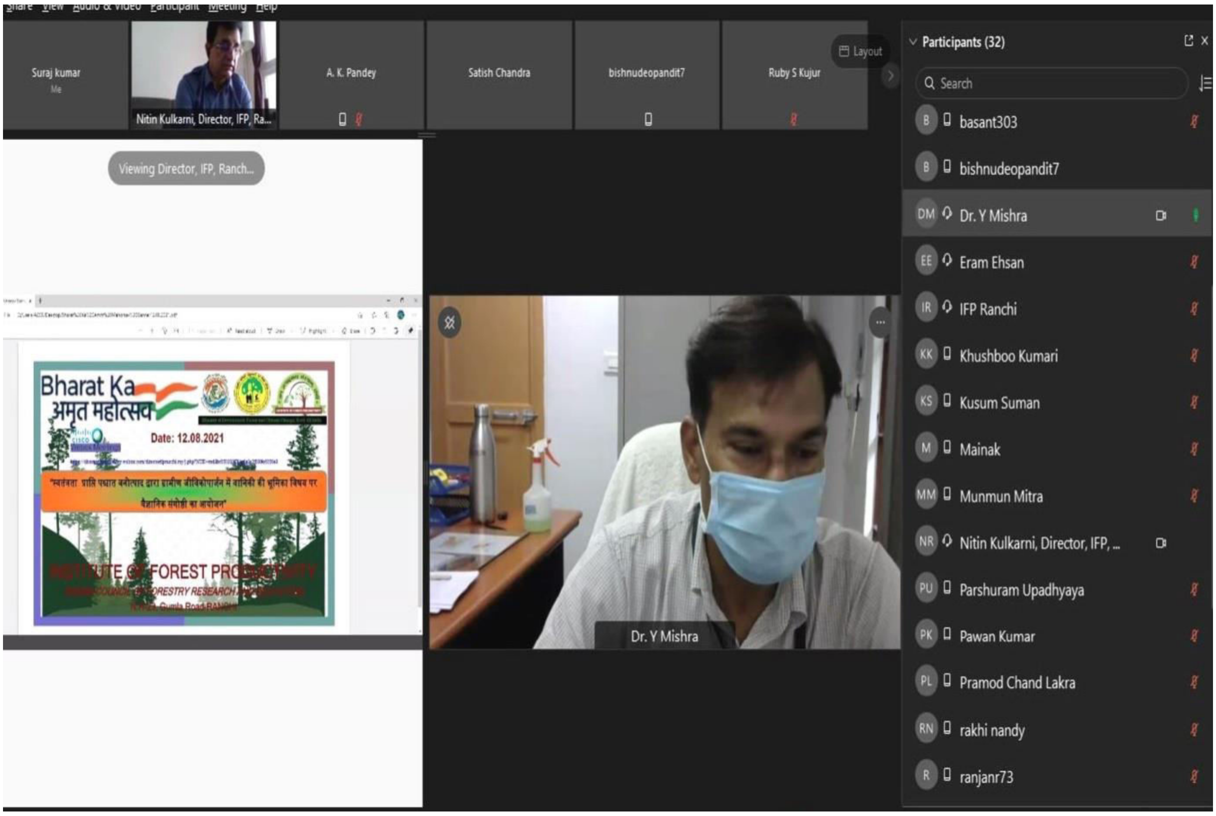

अमृत महोत्सव कार्यक्रम की झलकियां

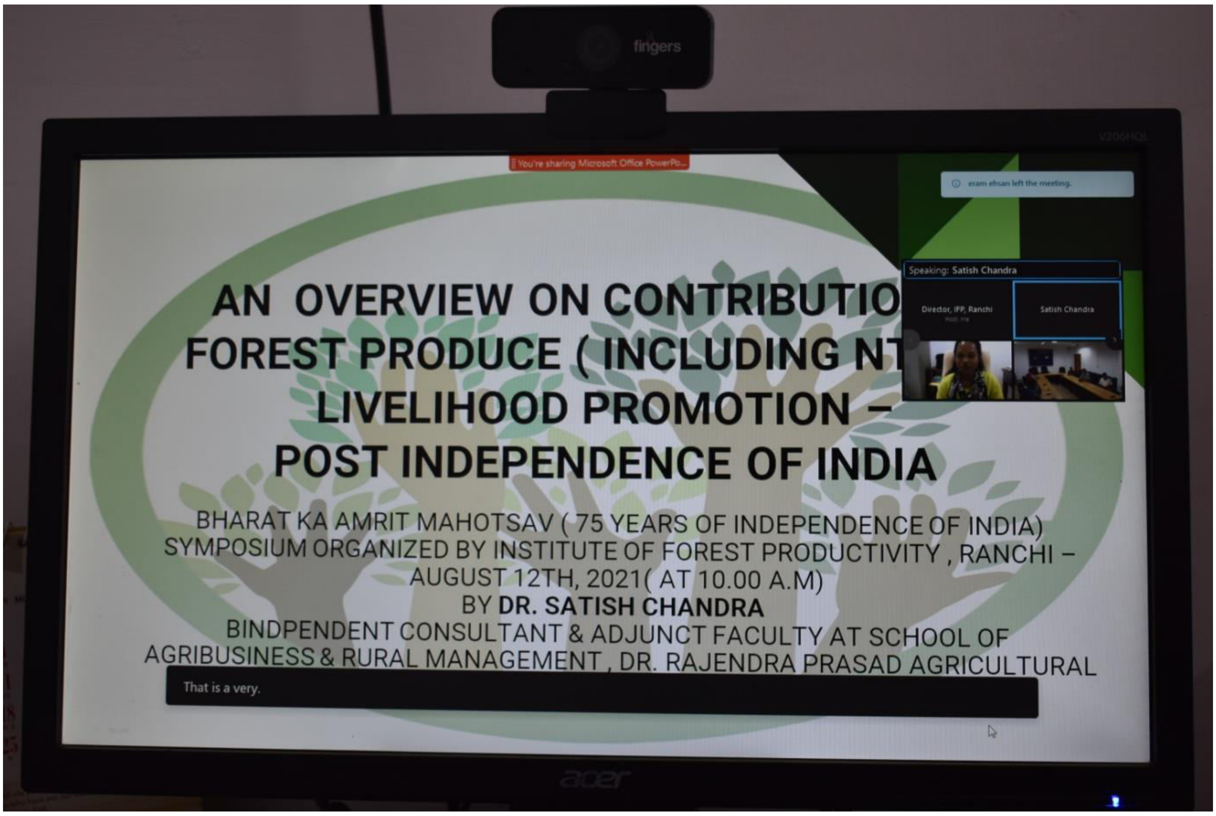

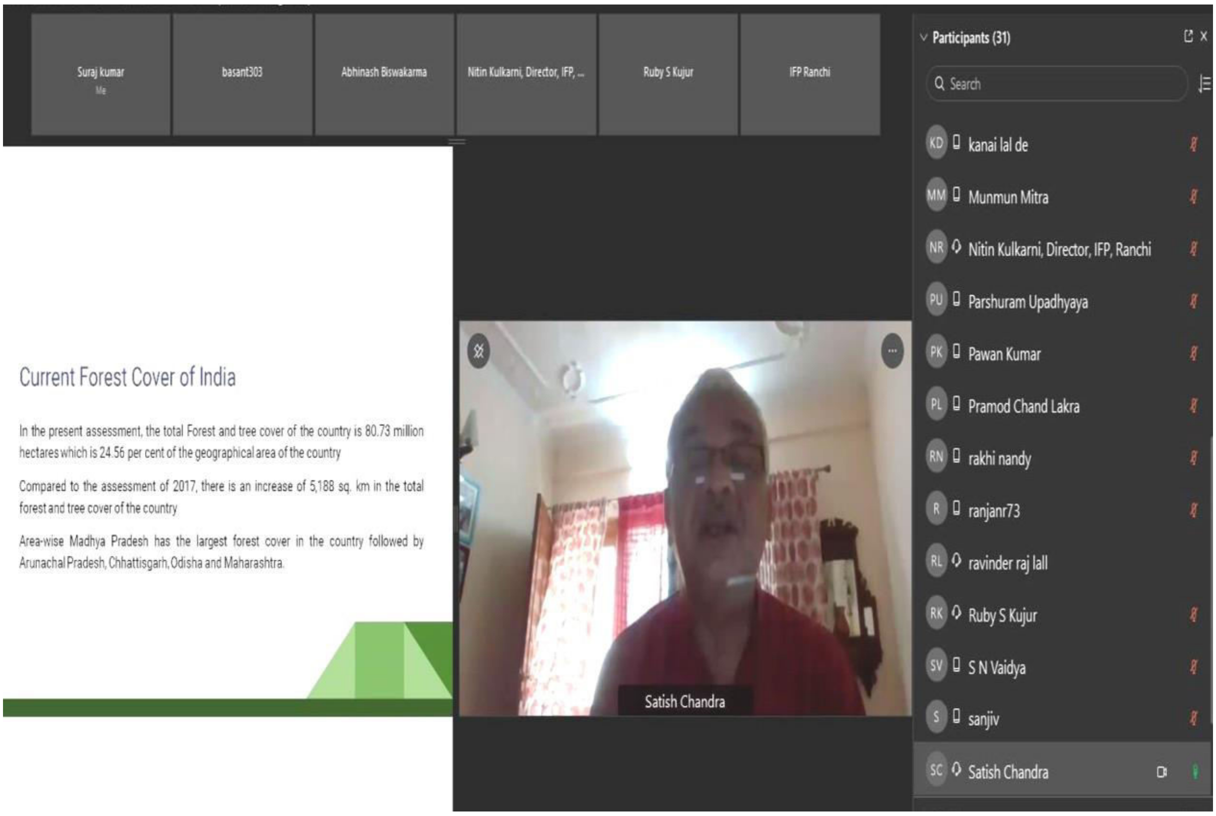

अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर डा. सतीश चंद्रा द्वारा व्याख्यान प्रस्तुति

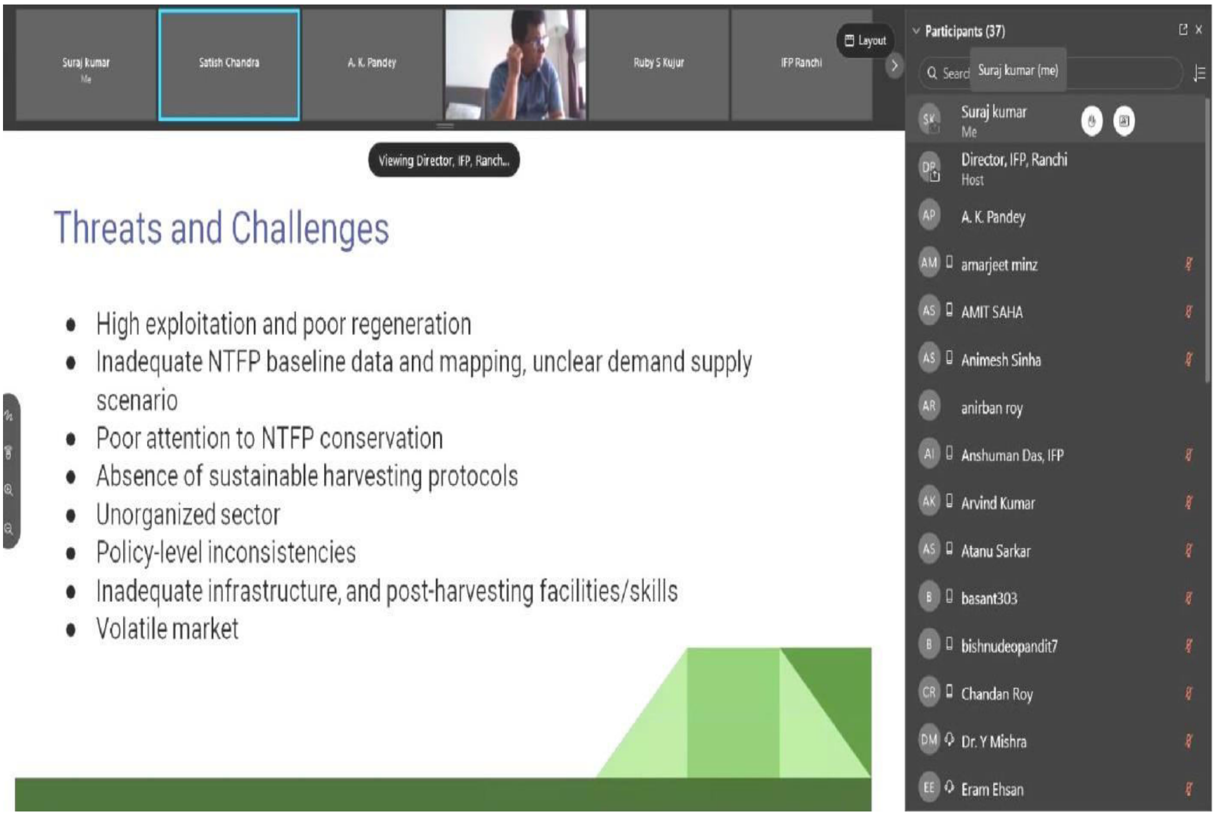

अमृत महोत्सव कार्यक्रम की झलकियां

अमृत महोत्सव कार्यक्रम की झलकियां

अमृत महोत्सव कार्यक्रम की झलकियां